Distribution of Marks and Teaching Hours

Sr. No.	Type of Paper	Max. Marks	Internal Assessment	Year End Examination	Teaching per weak (each lecture/tutorials of one hours)	Credits
1.	Core	100	30	70	3 Lectures	06
2.	Elective	100	30	70	3 Lectures	06
3.	Ability Enhancement	100	30	70	2 Lectures	04
4.	Skill Enhancement	100	30	70	2 Lectures	04

Structure of Hindi B.A-1st syllabus

Course code	Course	Course Type	Course Name	Credits	Teaching Hours
	English - 1	Core Course			
HIND101	SKT/ HINDI-I	Core Course B.A./B.Com	प्रयोजनमूलक हिन्दी	06	90
HIND102	DSC-1A	Core Course	हिंदी सहित्य का इतिहास	06	90
HIND103	DSC – IB	Core Course	मध्यकालीन हिंदी का विकास	06	90

Structure of Hindi B.A – 2nd Syllabus

Course code	Course	Course Type	Course Name	Credits	Teaching Hours
	English-2	Core Course			
HIND201	SKT/HINDI-2	Core Course B.A./B.Com.	अनिवार्य हिंदी 'रचना पुंज'	06	90
HIND202	DSC – IC	Core Course	आधुनिक हिंदी कविता	06	90
HIND203	DSC – ID	Core Course	हिंदी गद्य साहित्य	06	90

Structure of Hindi B.A – 3rd Syllabus

Course code	Course	Course Type	Course Name	Credits	Teaching Hours
HIND305	DSE – 1A	Discipline Specific Elective	लोक साहित्य	06	90
HIND306	DSE – 1B	Discipline Specific Elective	छायावादोतर हिंदी कविता	06	90

1. **बी.ए. हिन्दी पाठ्यक्रम**

कार्यक्रम के परिणाम

• सामान्य हिंदी/हिंदी साहित्य

• हिंदी व्याकरण और साहित्य का बुनियादी ज्ञान।

• हिंदी में प्रभावी संचार कौशल का विकास।

• छात्रों की भाषाई क्षमता का विकास करके उनकी रोजगार क्षमता में वृद्धि करना।

कार्यक्रम विशिष्ट परिणाम

• हिन्दी भाषा और साहित्य की उत्पत्ति को समझना।

• हिन्दी साहित्य की विभिन्न विधाओं को समझें।

• समृद्ध हिंदी शब्दावली।

• हिंदी साहित्य के पीछे के दर्शन को समझें।

• अतीत से वर्तमान तक के हिंदी साहित्य का मूल्यांकन करें और इसे समाज को समझने के लिए एक लेंस के रूप में उपयोग करें।

• अपनी राष्ट्रीय भाषा के ज्ञान को दूसरों तक फैलाएं

• हिंदी के प्रयोजनमूलक व कामकाजी रूप से परिचित करवाना।

(बी.ए. प्रथम वर्ष : पेपर-1)

प्रयोजनमूलक हिन्दी

Credits :- 06

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :-इस पेपर का उद्देश्य छात्रो को पत्र लेखन , पत्राचार : अर्थ एवं प्रकार, व्यावहारिक, व्यावसायिक एवं सरकारी , प्रारूपण, टिप्पण , प्रतिवेदन लेखन से सम्बन्धित विस्तृत जानकारी प्रदान करना है ताकि पत्र लेखन में दक्षता आये। साथ ही अनुवाद , मुहावरे और लोकोक्तियां अर्थ, परिभाषा एवं विभिन्न मुहावरे तथा लोकोक्तियां । शब्द-शुद्धि, वाक्य शुद्धि और शब्द ज्ञान (तत्सम, तद्भव, देशज तथा विदेशी) । पर्यायवाची

एवं विलोम शब्द । अनेकार्थी, वाक्य या वाक्यांश के लिए एक शब्द अथवा अनेक शब्दों के लिए एक शब्द देवनागरी लिपि अर्थ, नामकरण, विशेषताएं, वैज्ञानिकता, देवनागरी लिपि का मानकीकरण एवं सुधार के उपाय ।

सप्ताहवार शिक्षण योजना:

Week 1 & 2	पत्र लेखन , पत्राचार : अर्थ एवं प्रकार, व्यावहारिक, व्यावसायिक एवं सरकारी
Week 3 & 4	प्रारूपण, टिप्पण , प्रतिवेदन लेखन
Week 5 & 6	अनुवाद , मुहावरे और लोकोक्तियां अर्थ, परिभाषा एवं विभिन्न मुहावरे तथा लोकोक्तियां ।
Week 7 & 8	शब्द-शुद्धि, वाक्य शुद्धि और शब्द ज्ञान (तत्सम, तद्भव, देशज तथा विदेशी) ।
Week 9 & 10	पर्यायवाची एवं विलोम शब्द ।
Week 11 & 12	अनेकार्थी, वाक्य या वाक्यांश के लिए एक शब्द अथवा अनेक शब्दों के लिए एक शब्द।
Week 13 & 14	देवनागरी लिपि अर्थ, नामकरण, विशेषताएं, वैज्ञानिकता,
Week 15	देवनागरी लिपि का मानकीकरण एवं सुधार के उपाय ।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणामों की उपलब्धि को सुगम बनाना:

इकाई क्रम	पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम	शिक्षण और शिक्षण गतिविधि	मूल्यांकन कार्य

I	इस विषय के अध्ययन से शिक्षार्थी.. सरकारी कार्यालयों / अर्द्ध सरकारी व गैर सरकारी कार्यालयों में लिपिक या कार्यालय असिस्टेंट के पद में कार्य कैसे किया जाता है। उसका विस्तृत रूप में बोधगम्यता को देखा गया है। २. कार्यालयों में नोटिंग (टिप्पण), प्रतिवेदन (रिपोर्ट), प्रारूपण (ड्राफ्ट) कैसे की जाती है उसकी पूर्ण विषयवस्तु इस पाठ्यक्रम में है जिस से छात्रों को इस से सम्बंधित विस्तृत ज्ञान प्राप्त हो	कक्षा व्याख्यान और चर्चाएँ।	1. कक्षा में चर्चा 2.प्रस्तुतीकरण 3. कक्षा परीक्षण 4.अर्धवार्षिक परीक्षा
II	इस विषय के माध्यम से भाषा की शुद्धता व्याकरणिक , नियमावली शब्द	कक्षा व्याख्यान और चर्चाएँ।	1. कक्षा में चर्चा 2.प्रस्तुतीकरण 3. कक्षा परीक्षण

	ज्ञान / पारिभाषिक शब्दावली / जैसे विषय मुख्य रूप से व्यावहारिक और कार्यालयी दृष्टि से अत्यंत प्रासंगिक है ।		4.अर्धवार्षिक परीक्षा

सुझाव - सुझाए गए सतत मूल्यांकन के तरीके:

किताब – 1) प्रयोजनमूलक हिंदी और पत्रकारिता – डॉ दिनेश प्रसाद सिंह

2) EHD-8 प्रयोजनमूलक हिंदी – रानी , कंचन , गलीबाबा पब्लिशिंग हाउस

3) प्रयोजनमूलक हिंदी – प्रोफेसर श्री राम शर्मा , कमल प्रकाशन , बिलासपुर , हिमाचल प्रदेश

असाइनमेंट/सेमिनार (10 अंक)

उपस्थिति (5 अंक)

सुझाए गए समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:

1 स्वयंव

(बी.ए. प्रथम वर्ष : पेपर-2)

हिन्दी साहित्य का इतिहास

Credits :- 06

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :-

इस पेपर का उद्देश्य छात्रों को हिंदी साहित्य के इतिहास के बारे में मौलिक ज्ञान प्राप्त करने में मदद करना है। यह पेपर मुख्य रूप से हिंदी साहित्य के इतिहास की भूमिका, आदिकाल, भक्तिकाल। हिंदी साहित्य के प्रमुख इतिहासग्रंथ के बारे में ज्ञान प्रदान करने के लिए केवल परिचय ,काल विभाजन और नामकरण। आदिकाल की प्रष्ठभूमि , आदिकाल के बारे में ज्ञान प्रदान करना। प्रमुख कवि, आदिकल की भूमिका, रचनाएं और आदिकल की प्रमुख काव्य प्रवृतियां। भक्तिकाल सामान्य परिचय, निर्गुण के बारे में ज्ञान प्रदान करनाकाव्याधारा (ज्ञानमार्ग एवं प्रेममार्ग), निर्गुण काव्याधारा के प्रमुख कवि एवं रचनायें। सगुण काव्यधारा, राम भक्ति शाखा के बारे में ज्ञान प्रदान करने के लिए , कृष्ण भक्ति शाखा के प्रमुख कवि एवं रचनाएं।

सप्ताहवार शिक्षण योजना:

Week 1 & 2	काल विभाजन एवं नामकरण
Week 3 & 4	आदिकालीन काव्य धाराएँ-सिद्ध, नाथ एवं जैन साहित्य
Week 5 & 6	प्रमुख रासो काव्य
Week 7 & 8	आदिकालीन हिन्दी साहित्य की सामान्य विशेषताएँ
Week 9 & 10	भक्ति आन्दोलन : सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि
Week 11 & 12	प्रमुख निर्गुण कवि
Week 13 & 14	प्रमुख सगुण कवि
Week 15	भक्तिकाल की सामान्य विशेषताएँ

पाठ्यक्रम सीखने के परिणामों की उपलब्धि को सुगम बनाना:

इकाई क्रम	पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम	शिक्षण और शिक्षण गतिविधि	मूल्यांकन कार्य
I	हिंदी साहित्य के इतिहास के विषय में जानकारी देना तथा हिंदी साहित्य के इतिहास कि संक्षिप्त जानकारी देकर विद्यार्थियों को साहित्य के विकास क्रम से अवगत कराना	कक्षा व्याख्यान और चर्चाएँ।	1. कक्षा में चर्चा 2.प्रस्तुतीकरण 3. कक्षा परीक्षण 4.अर्धवार्षिक परीक्षा
II	हिंदी साहित्य के इतिहास के अंतर्गत , निर्धारित विषय चारित्रिक दृष्टि से भी महत्ती भूमिका निभाते हैं ।	कक्षा व्याख्यान और चर्चाएँ।	1. कक्षा में चर्चा 2.प्रस्तुतीकरण 3. कक्षा परीक्षण 4.अर्धवार्षिक परीक्षा

सुझाव –

हिंदी साहित्य का इतिहास – आचार्य राम चन्द्र शुक्ल , प्रभात प्रकाशन।

हिंदी साहित्य का उद्भव और विकास – हज़ारीप्रसाद द्विवेदी , राज कमल प्रकाशन।

हिंदी सहित्य का इतिहास – डॉ नागेन्द्र , साहित्य सरोवर , राधाकृषण प्रकाशन।

हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – डॉ बचन सिंह, राधाकृषण प्रकाशन,नई दिल्ली।

असाइनमेंट/सेमिनार (10 अंक)

उपस्थिति (5 अंक)

सुझाए गए समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:

1 स्वयंव

(बी.ए. प्रथम वर्ष : पेपर-3)

<u>मध्यकालीन हिन्दी कविता</u>

Credits :- 06

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :- यह विषय शिक्षार्थियों को साहित्य के मानदण्डों से परिचित करवाते हैं। इस पेपर का उद्देश्य कबीर , सूर , तुलसी , मीरा जैसे रससिद्ध कवियों के काव्य से परिचय करवाना है। मध्यकालीन हिन्दी कविता के अध्ययन से हम मानवीय और नैतिक मूल्यों के विकास को समझ सकेगे।

सप्ताहवार शिक्षण योजना:

Week 1 & 2	कबीर तथा सूरदास का व्यक्तित्व एवं कृतित्व : सामान्य परिचय , कबीर तथा सूरदास की काव्यगत विशेषताएँ
Week 3 & 4	कबीर की साखियाँ-गुरुदेव को अंग दोहा संख्या कुसंगति को अंग 3,4सकेगे 6,7 4,9

Week 5 & 6	कबीर के पद- 1 , 2 , 15 , 16 सूरदास के पद – 1, 2, 43, 44, 111
Week 7 & 8	सूरदास के पद – 115, 354, 355, 387, 402 , तुलसीदास तथा मीराबाई का व्यक्तित्व एवं कृतित्व : सामान्य परिचय
Week 9 & 10	तुलसीदास तथा मीराबाई की काव्यगत विशेषताएँ , बालकांड-1 , उत्तरकांड- 96, 106
Week 11 & 12	विनय पत्रिका – पद संख्या - 105, 111, 162
Week 13 & 14	मीराबाई के पद-5, 17, 18, 19, 22, 23, 25, 41, 73, 158
Week 15	मीरा बाई की काव्यगत विशेषताएं एवं बहुविकल्पीय प्रश्न

पाठ्यक्रम सीखने के परिणामों की उपलब्धि को सुगम बनाना:

इकाई क्रम	पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम	शिक्षण और शिक्षण गतिविधि	मूल्यांकन कार्य
I	विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम ‘मधयकालीन हिंदी कविता, विषय चारित्रिक दृष्टि से महती भूमिका निभाते हैं।	कक्षा व्याख्यान और चर्चाएँ।	1. कक्षा में चर्चा 2.प्रस्तुतीकरण 3. कक्षा परीक्षण 4.अर्धवार्षिक परीक्षा

II	कविता की दृष्टि से मानवीय मूल्यों और सिद्धातों का विवेचन करने हेतु कबीर , सूर, तुलसी , मीरा, अत्यन्त महत्वपूर्ण हैं।	कक्षा व्याख्यान और चर्चाएँ।	1. कक्षा में चर्चा 2.प्रस्तुतीकरण 3. कक्षा परीक्षण 4.अर्धवार्षिक परीक्षा

सुझाव –

१ मध्यकालीन कविता , भवदीय प्रकाशन ,फैजाबाद

2 मध्यकालीन हिंदी काव्य – डॉ वीणा श्रीवास्तव , डॉ दिनेश प्रसाद सिंह।

असाइनमेंट/सेमिनार (10 अंक)

उपस्थिति (5 अंक)

सुझाए गए समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:

1 स्वयंव

(बी.ए. द्वितीय वर्ष : पेपर-1)

अनिवार्य हिंदी 'रचना पुंज'

Credits :- 06

पाठ्यक्रम के उद्देश्य : । कबीर - पंद्रह दोहे
घनानंद – 3 कवित्त , 3 सवैये
सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' – तोडती पत्थर , विनय
बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' – विप्लव गायन

सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' - कितनी नावों में कितनी बार , दूर्वाचल
गजानन माधव मुक्तिबोध' - मुझे तुम्हारा साथ मिला है, ओ मेघ
सुदामा पाण्डे 'धूमिल' - रोटी और संसद्
छात्रों को इन कवियों के कविताओं के बारे में जानकारी देना।

सप्ताहवार शिक्षण योजना:

Week 1 & 2	कबीर , कबीरदास का संक्षिप्त जीवन-परिचय देते हुए उनकी काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। अथवा कबीरदास का साहित्यिक परिचय दीजिए। कबीर की सामाजिक चेतना पर प्रकाश डालिये। कबीरदास की भक्ति-भावना की विवेचना कीजिये। कबीर की भाषा पर प्रकाश डालिए। "कबीरदास न हिन्दू थे, न ही मुसलमान। वे समाज में मानव धर्म के पक्षधर थे।" युक्ति-युक्त उत्तर दीजिए। अथवा "कबीरदास जी एक युगान्तरकारी कवि थे।" स्पष्ट कीजिए। दोहों की सप्रसंग व्याख्या बहुविकल्पीय प्रश्न
Week 3 & 4	घनानंद. घनानंद का संक्षिप्त जीवन-परिचय देते हुए उनकी काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। घनानंद का साहित्यिक परिचय दीजिए।श प्रेम की पोर के कवि घनानंद के प्रेम-चित्रण पर प्रकाश डालिए। घनानंद की काव्य-कता पर प्रकाश डालिए। घनानंद के अनुभूति वैशिष्ट्य पर प्रकाश डालिए।

	घनानंद के अभिव्यक्ति सौष्ठव पर प्रकाश डालिए। घनानंद की भाषा शैली की विशेषताएं बताइए। पद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या बहुविकल्पीय प्रश्न
Week 5 & 6	सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' 'तोड़ती पत्थर' कविता का उद्देश्य बताइए। पद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या बहुविकल्पीय प्रश्न बालकृष्ण शर्मा नवीन सूर्यकांत त्रिपाठी निराला का साहित्यिक परिचय लिखिए। अथवा श्री सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' का संक्षिप्त जीवन परिचय देते हुए उनकी काव्यगत विशेषताओं (प्रवृत्तियों) का परिचय दीजिए। पठित कविताओं के आधार पर निराला की सामाजिक चेतना पर प्रकाश डालिए। निराला की क्रान्ति चेतना का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।. निराला जी की भाषा-शैली पर प्रकाश डालिए। 'तोड़ती पत्थर' कविता के आधार पर निराला जी की प्रगति चेतना पर प्रकाश डालिए।
Week 7 & 8	बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' का साहित्यिक परिचय दीजिए। बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' के शिल्प-पक्ष पर प्रकाश डालिए। अथवा बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' की भाषा-शैली पर प्रकाश डालिए। पद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या बहुविकल्पीय प्रश्न अज्ञेय का साहित्यिक परिचय दीजिए। अज्ञेय के काव्य-वैशिष्ट्य की विवेचना कीजिए।

	अथवा अज्ञेय की काव्यगत विशिष्टताएँ बताइए। अज्ञेय जी के काव्य के अभिव्यक्ति वैशिष्ट्य को रेखांकित कीजिए। पद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या बहुविकल्पीय प्रश्न
Week 9 & 10	सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय' कवि सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय' के जीवन तथा साहित्य का परिचय दीजिए। अथवा बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' का साहित्यिक परिचय दीजिए। बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' के शिल्प-पक्ष पर प्रकाश डालिए। अथवा बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' की भाषा-शैली पर प्रकाश डालिए। पद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या बहुविकल्पीय प्रश्न अज्ञेय का साहित्यिक परिचय दीजिए। अज्ञेय के काव्य-वैशिष्ट्य की विवेचना कीजिए। अथवा अज्ञेय की काव्यगत विशिष्टताएँ बताइए। अज्ञेय जी के काव्य के अभिव्यक्ति वैशिष्ट्य को रेखांकित कीजिए। पद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या बहुविकल्पीय प्रश्न
Week 11 & 12	गजानन माधव-मुक्ति बोध. गजानन माधव मुक्तिबोध के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का परिचय दीजिए। अथवा सुदामा पाण्डेय 'धूमिल'. गजानन माधव मुक्तिबोध का साहित्यिक परिचय दीजिए। मुक्तिबोध के जीवन दर्शन एवं काव्य दृष्टि की विवेचना कीजिए।

	मुक्तिबोध की भाषा-शैली पर प्रकाश डालिए। पद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या बहुविकल्पीय प्रश्न
Week 13 & 14	सुदामा पाण्डेय धूमिल के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालिए। अथवा सुदामा पाण्डेय 'धूमिल' का साहित्यिक परिचय दीजिए। 'धूमिल' की कविताओं में व्याप्त राजनीतिक चेतना पर प्रकाश डालिए। धूमिल की कविता में ग्रामीण बोध का परिचय दीजिए। धूमिल की कविता के अभिव्यंजना कौशल अथवा भाषा-शिल्प पर प्रकाश डालिए। पद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या
Week 15	धूमिल की कविता पद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या एवं बहुविकल्पीय प्रश्न

पाठ्यक्रम सीखने के परिणामों की उपलब्धि को सुगम बनाना:

इकाई क्रम	पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम	शिक्षण और शिक्षण गतिविधि	मूल्यांकन कार्य
I	गहरा ज्ञान प्रदान करने के लिए विशेष रूप से कबीर के पद । कबीर : साखी , सबद , रमेणी के बारे में ज्ञान प्रदान करना । इसके अलावा निराला , घनान्द , बालकृष्ण	कक्षा व्याख्यान और चर्चाएँ।	1. कक्षा में चर्चा 2.प्रस्तुतीकरण 3. कक्षा परीक्षण 4.अर्धवार्षिक परीक्षा

	शर्मा 'नवीन' की कविताओ के बारे में जानकारी प्रदान करना।		
II	उनमें कल्पनाशक्ति और रचनात्मकता का विकास होगा। इस पाठ्यक्रम में निर्धारित विषय चारित्रिक दृष्टि से महत्ती भूमिका निभाते हैं , कविता की दृष्टि से मानवीय मूल्यों का विवेचन कबीर , घनानंद ,सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' , बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' , गजानन माधव मुक्तिबोध', सुदामा पाण्डे 'धूमिल' आदि में देख सकते हैं ।	कक्षा व्याख्यान और चर्चाएँ।	1. कक्षा में चर्चा 2.प्रस्तुतीकरण 3. कक्षा परीक्षण 4.अर्धवार्षिक परीक्षा

सुझाव –

हिंदी गाइड –ऍम . बी. डी , मल्होत्रा बुक डेपो

असाइनमेंट/सेमिनार (10 अंक)

उपस्थिति (5 अंक)

सुझाए गए समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:

1) स्वयंव

(बी.ए. द्वितीय वर्ष : पेपर-2)

आधुनिक हिंदी कविता

Credits :- 06

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :- आधुनिक हिंदी कविता पेपर का मुख्य उद्देश्य आधुनिक हिन्दी कविता के बारे में मौलिक , मानसिक ज्ञान प्राप्त करने मे मदद करना है। भारतेन्दु हरिश्चन्द्र तथा अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' का व्यक्तित्व एवं कृतित्व :एव मैथिलीशरण गुप्त तथा जयशंकर प्रसाद का व्यक्तित्व एवं कृतित्व : सामान्य परिचय से अवगत कराना।

1.2. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र तथा अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' की काव्यगत विशेषताएँ

1.3. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र : कविताएँ-

भारत दुर्दशा

वर्षा विनोद

प्रेम मालिका

प्रेमाश्रु वर्षण

1.4. अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' : कविताएँ-

प्रिय प्रवास

दुखिया के आँसू

एक बूँद

काँटा और फूल

भारत भारती

मातृभूमि

इकाई-2

2.1. मैथिलीशरण गुप्त तथा जयशंकर प्रसाद का व्यक्तित्व एवं कृतित्व : सामान्य परिचय

2.2. मैथिलीशरण गुप्त तथा जयशंकर प्रसाद की काव्यगत विशेषताएँ

2.3. मैथिलीशरण गुप्त : कविताएँ-

आशा

सन्देश

2.4. जयशंकर प्रसाद : कविताएँ-

ले चल वहाँ भुलावा देकर

बीती विभावरी जाग री

अरुण यह मधुमय देश हमारा

हृदय का सौंदर्य

सप्ताहवार शिक्षण योजना:

Week 1 & 2	भारतेन्दु हरिश्चंद्र...... 1. भारतेंदु हरिश्चंद्र के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का परिचय दीजिए। अथवा भारतेंदु हरिश्चंद्र का साहित्यिक परिचय दीजिए। 2. भारतेंदु हरिश्चंद्र की काव्यगत विशेषताएँ बताइए।
Week 3 & 4	व्याख्या भाग 1. भारत दुर्दशा 2.वर्षा विनोद 3.प्रेम मालिका 4. प्रेमाश्रु वर्णन
Week 5 & 6	अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'. 1. अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालिए। अथवा अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' का साहित्यिक-परिचय दीजिए। 2. अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' की काव्यगत विशेषताएँ बताइए।

Week 7 & 8	व्याख्या भाग 1. प्रिय प्रवास 2. दुखिया के आँसू 3. एक बूँद 4. काँटा और फूल
Week 9 & 10	मैथिलीशरण गुप्त... 1. मैथिलीशरण गुप्त के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का परिचय दीजिए। अथवा मैथिलीशरण गुप्त का साहित्यिक-परिचय दीजिए। 2. मैथिलीशरण गुप्त की काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। व्याख्या भाग 1.भारत-भारती 2. मातृभूमि 3.आशा 4. संदेश
Week 11 & 12	जयशंकर प्रसाद.. 1. महाकवि जयशंकर प्रसाद का साहित्यिक परिचय दीजिए।.. अथवा जयशंकर प्रसाद के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का सामान्य परिचय दीजिए। 2. जयशंकर प्रसाद की काव्यगत विशेषताएँ बताइए।
Week 13 & 14	व्याख्या भाग 1.ले चल वहाँ भुलावा देकर 2.बीती विभावरी जाग री 3.अरुण यह मधुमय देश हमारा 4.हृदय का सौंदर्य
Week15	भारतेन्दु हरिश्चंद्र...... अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

	मैथिलीशरण गुप्त... बहुविकल्पीय प्रश्न

पाठ्यक्रम सीखने के परिणामों की उपलब्धि को सुगम बनाना:

इकाई क्रम	पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम	शिक्षण और शिक्षण गतिविधि	मूल्यांकन कार्य
I	छात्रों को हिंदी साहित्य के इतिहास की आधुनिक काल की कविताओं से परिचित कराया जाएगा। आधुनिक काव्य की रचना प्रक्रिया का विश्लेषण करने की क्षमता होगी। कवि और उनकी कविताएँ अपने युग का ज्ञान देंगे।	कक्षा व्याख्यान और चर्चाएँ।	1. कक्षा में चर्चा 2.प्रस्तुतीकरण 3. कक्षा परीक्षण 4.अर्धवार्षिक परीक्षा
II	इससे हम साहित्य और समाज के बीच संबंधों का विश्लेषण कर सकेंगे। कविता पढ़ने, लिखने और समीक्षा की समझ	कक्षा व्याख्यान और चर्चाएँ।	1. कक्षा में चर्चा 2.प्रस्तुतीकरण 3. कक्षा परीक्षण

	विकसित की जाएगी। छायावाद तक कवियों के भाव और भाषा के ज्ञान में वृद्धि होगी।		4.अर्धवार्षिक परीक्षा

सुझाव –

असाइनमेंट/सेमिनार (10 अंक)

उपस्थिति (5 अंक)

सुझाए गए समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:

1) स्वयंव

(बी.ए. द्वितीय वर्ष : पेपर-3)

<u>हिंदी गद्य साहित्य</u>

Credits :- 06

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :- .हिंदी गद्य की विभिन्न विधाओं से परिचय प्राप्त कर सकेगे। उपन्यासकार जैनेन्द्र के व्यक्तित्व और कृतित्व के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे तथा उनका त्यागपत्र उपन्यास का गहन अध्ययन करेंगे। साथ ही कुछ महत्वपूर्ण कहानियों और कहानीकारों का भी गहन अध्ययन करेंगे।

सप्ताहवार शिक्षण योजना:

Week 1 & 2	उपन्यास : त्यागपत्र - पाठपरक अध्ययन
Week 3 & 4	उपन्यास : त्यागपत्र - पाठपरक अध्ययन

Week 5 & 6	उपन्यास : त्यागपत्र - पाठपरक अध्ययन जैनेन्द्र कुमार : व्यक्तित्व एवं कृतित्व
Week 7 & 8	'त्यागपत्र : तात्विक समीक्षा , त्यागपत्र' उपन्यास के कथा-शिल्प की विवेचना कीजिए। त्यागपत्र' उपन्यास की मूल संवेदना पर प्रकाश डालिए। अथवा 'त्यागपत्र' उपन्यास 'नारी पीड़ा' की कहानी है। स्पष्ट कीजिए। 'त्यागपत्र' उपन्यास की पात्र-सृष्टि पर विचार व्यक्त कीजिए। अथवा 'मृणाल' के चरित्र पर प्रकाश डालिए। 'त्यागपत्र' उपन्यास की दार्शनिक एवं सामाजिक चेतना पर प्रकाश डालिए। त्यागपत्र उपन्यास का उद्देश्य बताइए। अथवा 'त्यागपत्र' उपन्यास में जैनेन्द्र ने किस सामाजिक समस्याओं को उठाया है, विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।
Week 9 & 10	जैनेन्द्र के 'त्यागपत्र' उपन्यास के आधार पर प्रमोद का चरित्र चित्रण कीजिए। प्रमुख गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या 'बहुविकल्पीय प्रश्न पाठपरक अध्ययन कहानी : नमक का दरोगा – प्रेमचंद प्रेमच नमक का दारोगा प्रेमचंद के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का परिचय दीजिए। प्रेमचंद का साहित्यिक परिचय दीजिए 'नमक का दारोगा' कहानी का सार अपने शब्दों में लिखिए।

	प्रेमचंद विरचित कहानी 'नमक का दारोगा की तात्त्विक समीक्षा कीजिए.... वंशीधर का चरित्र चित्रण कीजिए पंडित अलोपीदीन का चरित्र चित्रण कीजिए वंशीधर के पिता का चरित्र-चित्रण कीजिए
Week 11 & 12	'नमक का दारोगा' प्रमुख गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या बहुविकल्पीय प्रश्न पाठपरक अध्ययन कहानी : आकाशदीप - जयशंकर प्रसाद जयशंकर प्रसाद के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का परिचय दीजिए। अथवा प्रसिद्ध कथाकार जयशंकर प्रसाद का साहित्यिक परिचय दीजिए। 'आकाशदीप' कहानी का सार अपने शब्दों में लिखिए। कहानी के तत्त्वों के आधार पर 'आकाशदीप' कहानी की विवेचना कीजिए। अथवा कहानी कला के आधार पर 'आकाशदीप' की समीक्षा कीजिए। 'आकाशदीप' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए। अथवा 'आकाशदीप' कहानी की मूल संवेदना पर प्रकाश डालिए। आकाशदीप कहानी में नारी के त्याग एवं लोक-कल्याण की भावना मुखरित हुई है। इस आधार पर चम्पा का चरित्र चित्रण कीजिए। 'आकाशदीप' कहानी की भाषा-संरचना पर प्रकाश कीजिए। 'आकाशदीप' कहानी के आधार पर बुद्धगुप्त का चरित्र चित्रण कीजिए

Week 13 & 14	आकाशदीप - जयशंकर प्रसाद प्रमुख गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या बहुविकल्पीय प्रश्न पाठपरक अध्ययन कहानी : यशपाल परदा यशपाल के व्यक्ति एवं कृतित्व का परिचय दीजिए। अथवा प्रसिद्ध कथाकार यशपाल का साहित्यिक परिचय दीजिए यशपाल कृत परदा कहानी का सार अपने शब्दों में लिखिए। कहानी के तत्त्वों के आधार परन यशपाल कृत परदा कहानी की समीक्षा कीजिए। यशपाल विरचित कहानी 'परदा' के प्रमुख पात्र पीरबक्श का चरित्र चित्रण कीजिए । 'परदा' कहानी के आधार पर बबर अली खान का चरित्र चित्रण कीजिए। प्रमुख गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या बहुविकल्पीय प्रश्न पाठपरक अध्ययन कहानी : उषा प्रियंवदा वापसी-उषा प्रियंवदा उषा प्रियंवदा के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालिए। अथवा उषा प्रियंवदा का साहित्यिक परिचय दीजिए। उषा प्रियंवदा विरचित कहानी 'वापसी' का सार अपने शब्दों में लिखिए। कहानी के तत्त्वों के आधार पर 'वापसी' कहानी की समीक्षा कीजिए। 'वापसी' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए। अथवा 'वापसी' कहानी की मूल संवेदना स्पष्ट करें। 'वापसी' कहानी के आधार पर गजाधर बाबू के चरित्र की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

Week 15	वापसी-उषा प्रियंवदा प्रमुख गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या बहुविकल्पीय प्रश्न

पाठ्यक्रम सीखने के परिणामों की उपलब्धि को सुगम बनाना:

इकाई क्रम	पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम	शिक्षण और शिक्षण गतिविधि	मूल्यांकन कार्य
I	इस पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों में गद्य विधा में जैनेन्द्र , प्रेमचंद , जयशंकर प्रसाद , यशपाल एवं उषा प्रियंवदा , जैसे साहित्यकारों का साहित्यिक अवधान , शिक्षार्थियों को	कक्षा व्याख्यान और च र्चाएँ।	1. कक्षा में चर्चा 2.प्रस्तुतीकरण 3. कक्षा परीक्षण 4.अर्धवार्षिक परीक्षा

	सबल पाथेय प्रशस्त करता है।		
II	प्रेमचंद की कहानी " नमक का दरोगा " जयशंकर प्रसाद की कहानी "आकाशदीप"तथा यशपाल का "पर्दा" और उषा प्रियंवदा के "वापसी" कहानियों के माध्यम से छात्रों को कहानियों के महत्व के बारे में ज्ञान प्राप्त करने में मदद करना है। छात्र प्रेमचंद के साहित्यिक योगदान और महत्व को जानेंगे , कहानियों में आये मुख्य समस्याओं द्वारा भारतीय समाज के बारे में अधिक जानेंगे।	कक्षा व्याख्यान और चर्चाएँ।	1. कक्षा में चर्चा 2.प्रस्तुतीकरण 3. कक्षा परीक्षण 4.अर्धवार्षिक परीक्षा

सुझाव –

हिंदी गद्य साहित्य – राम चन्द्र तिवारी ,महाराणा प्रताप कॉलेज , गोरखपुर

असाइनमेंट/सेमिनार (10 अंक)

उपस्थिति (5 अंक)

सुझाए गए समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:

1) स्वयंव

(बी.ए. तृतीय वर्ष : पेपर-5)

<u>लोक साहित्य</u>

Credits :- 06

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :- लोक साहित्य का उद्देश्य लोगों को, लोक साहित्य और संस्कृति से परिचय करवाना। लोक जन में वास करता है | लोक ही मनुष्य के जीवन का अधिष्ठान होता है। लोक साहित्य का सीधा सम्बन्ध हमारी संस्कृति से है और संस्कृति का निर्माण संस्कारों से होता है। लोक साहित्य ही शिष्ट साहित्य के लिए पृष्ठभूमि तैयार करता है। सच्च कहे तो लोक साहित्य एक ऐसा फूल है जो सदैव खिले रहता है। लोक साहित्य में लोक जीवन का जितना वास्तविक और स्वाभाविक चित्रण मिलता है उतना अन्यत्र कहीं भी नहीं। सुक्ष्म से सुक्ष्म वस्तु का भी इसमें विशिष्ट स्थान है।

सप्ताहवार शिक्षण योजना:

Week 1 & 2	1.1 लोक-साहित्य, परिभाषा एवं स्वरूप, लोक-साहित्य के विशिष्ट अध्येता
Week 3 & 4	लोक संस्कृति-अवधारणा, लोक संस्कृति और साहित्य, लोक-साहित्य के अध्ययन की प्रक्रिया, लोक-साहित्य के संकलन की समस्याएँ..
Week 5 & 6	1.2 लोक-साहित्य के प्रमुख रूप-लोकगीत, लोकनाट्य,
Week 7 & 8	लोककथा, लोकगाथा, लोकोक्ति
Week 9 & 10	2.1 लोकगीत: संस्कार गीत, व्रतगीत, श्रम परिहार गीत, ऋतु गीत.

Week 11 & 12	2.2 लोकनाट्य-रामलीला, स्वांग, यक्षगान,भवाई
Week 13 & 14	लोकनाट्य : माच, तमाशा, नौटंकी, जात्रा
Week 15	लोक-साहित्य, परिभाषा एवं स्वरूप, लोक-साहित्य के विशिष्ट अध्येता, लोक संस्कृति-अवधारणा, लोक संस्कृति और साहित्य, लोक-साहित्य के अध्ययन की प्रक्रिया, लोक-साहित्य के संकलन की समस्याएँ.. लोक-साहित्य के प्रमुख रूप-लोकगीत, लोकनाट्य, लोककथा, लोकगाथा, लोकोक्ति ... बहुविकल्पीय प्रश्न

पाठ्यक्रम सीखने के परिणामों की उपलब्धि को सुगम बनाना:

इकाई क्रम	पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम	शिक्षण और शिक्षण गतिविधि	मूल्यांकन कार्य
I	संस्कृति हमें संस्कार देती है। जब जीवन में संस्कार आते हैं तभी जीवन मूल्यों का निधान कर सशक्त समाज का निर्माण होता है।स्थानीयता से स्वावलंबन की	कक्षा व्याख्यान और चर्चाएँ।	1. कक्षा में चर्चा 2.प्रस्तुतीकरण 3. कक्षा परीक्षण 4.अर्धवार्षिक परीक्षा

	भावना यह विषय हमें देता है।		
II	लोक साहित्य ही हमें वास्तव में अपनी संस्कृति का ज्ञान देता है।माता क्या है? पिता क्या है? इन रिश्तों की पवित्रता का ज्ञान हमें लोक साहित्य से ही मिलता है।यदि अपने देश की युवा पीढ़ी को बचाना है तो सर्वप्रथम उन्हें संस्कृति से परिचित करवाने की आवश्यकता है ।आज बहुत सी चीजें लुप्त होने की कगार पर है तो ऐसे में आवश्यकता है बच्चों को गांव की हर सुक्ष्म से सुक्ष्म चीज से परिचित करवाने की । देव परमपराएं क्या है? नदियां, नाले गौ मां इत्यादि की पूजा हम क्यों करते हैंआदि ये	कक्षा व्याख्यान और चर्चाएँ।	1. कक्षा में चर्चा 2.प्रस्तुतीकरण 3. कक्षा परीक्षण 4.अर्धवार्षिक परीक्षा

	सब हम हमारी संस्कृति और लोक साहित्य के अध्ययन से ही समझ सकते हैं।वास्तविकता यह भी है कि लोक साहित्य अलिखित ही होता है अर्थात मौखिक होता है और पीढ़ी दर पीढ़ी अग्रसर होता रहता है।लोक साहित्य हमें जीना सिखाता है चूंकि इसका सीधा सम्बन्ध धरातल से हैजबकि शिष्ट साहित्य कृत्रिम है ,उसका सीधा सम्बन्ध भौतिक परिवेश से है। शिष्ट साहित्य भौतिक है जबकि लोक साहित्य आध्यात्मिक है।		

सुझाव –

भारतीय लोक साहित्य , श्याम परमार , राजकमल प्रकाशन , नयी दिल्ली

लोकजीवन और साहित्य , डॉ रामविलास शर्मा , विनोद पुस्तक मंदिर , आगरा

असाइनमेंट/सेमिनार (10 अंक)

उपस्थिति (5 अंक)

सुझाए गए समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:

1) स्वयंव

(बी.ए. तृतीय वर्ष : पेपर-6)

<u>छायावादोतर हिंदी कविता</u>

Credits :- 06

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :- इस विषय का मुख्या उद्देश्य छायावादोत्तर हिंदी कविता के बारे में जानकारी हासिल करने में मदद करना है |विशेषकर सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' तथा गजानन माधव मुक्तिबोध, मगर्जुन तथा शमशेर बहादुर सिंह का व्यक्तित्व एवं कृतित्त्व परिचय के बारे में तथा इन् कवियों के कविताओं के बारे में ज्ञान प्रदान करना |

1.2 सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' तथा गजानन माधव मुक्तिबोध की काव्यगत विशेषताएँ।

1.3 सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' : कविताए-

कलगी बाजरे की

यह दीप अकेला

1.4 गजानन माधव मुक्तिबोध: कविताए-

भूल गलती

एक रंग का राग

इकाई-2

2.1 नागार्जुन तथा शमशेर बहादुर सिंह का व्यक्ति एवं कृतित्त्व : सामान्य परिचय |

2.2 नागार्जुन तथा शमशेर बहादुर सिंह की काव्यगत विशेषताएँ।

नागर्जुन : कविताएँ-

2.3 अकाल और उसके बाद

कालिदास
2.4 शमशेर बहादुर सिंह : कविताएँ-
सूना सूना पथ है, उदास झरना
वह सलोना जिस्म

सप्ताहवार शिक्षण योजना:

Week 1 & 2	सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय'. 1. कवि सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय' के जीवन तथा साहित्य का परिचय दीजिए। अथवा अज्ञेय जी के व्यक्तित्त्व एवं कृतित्त्व पर प्रकाश डालिए।. 2. अज्ञेय के काव्य-वैशिष्ट्य की विवेचना कीजिए।
Week 3 & 4	सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय' व्याख्या भाग. बहुविकल्पीय प्रश्न..
Week 5 & 6	गजानन माधव मुक्तिबोध. 1. गजानन माधव मुक्तिबोध के व्यक्तित्त्व एवं कृतित्त्व का परिचय दीजिए। अथवा गजानन माधव मुक्तिबोध का साहित्यिक परिचय दीजिए। 2. मुक्तिबोध के जीवन दर्शन एवं काव्य दृष्टि की विवेचना कीजिए. मुक्तिबोध की भाषा-शैली पर प्रकाश डालिए। 3. 4. मुक्तिबोध के मार्क्सवादी चिंतन की विशेषताएं बताइए..
Week 7 & 8	गजानन माधव मुक्तिबोध - व्याख्या भाग. बहुविकल्पीय प्रश्न..

Week 9 & 10	1. नागार्जुन 1. नागार्जुन जी के व्यक्तित्त्व एवं कृतित्त्व पर प्रकाश डालिए। अथवा नागार्जुन का साहित्यिक परिचय दीजिए। 2. नागार्जुन के काव्य की काव्यगत विशेषताएँ बताइए।.. 3. नागार्जुन के काव्य के अभिव्यक्तिगत वैशिष्ट्य पर प्रकाश डालिए। 'अकाल और उसके बाद' कविता के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए। नागार्जुन विरचित कविता 'कालिदास' का मूल्यांकन कीजिए।
Week 11 & 12	नागार्जुन व्याख्या भाग. बहुविकल्पीय प्रश्न..
Week 13 & 14	शमशेर बहादुर सिंह - शमशेर बहादुर सिंह के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालिए अथवा शमशेर बहादुर सिंह कि काव्यगत विशेषताएं बताइए अथवा शमशेर बहादुर सिंह का साहित्यिक परिचय दीजिये। शमशेर बहादुर सिंह के काव्य के शिल्पगत अथवा भाषागत सौंदर्य पर प्रकाश डालिए।
Week 15	शमशेर बहादुर सिंह - १ व्याख्या भाग. 2 बहुविकल्पीय प्रश्न..

पाठ्यक्रम सीखने के परिणामों की उपलब्धि को सुगम बनाना:

इकाई क्रम	पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम	शिक्षण और शिक्षण गतिविधि	मूल्यांकन कार्य

I	इन् कवियों के माध्यम से छात्रों को छायावादोत्तर हिंदी कवियों के काव्यदृष्टि से अवगत कराना।	कक्षा व्याख्यान और चर्चाएँ।	1. कक्षा में चर्चा 2.प्रस्तुतीकरण 3. कक्षा परीक्षण 4.अर्धवार्षिक परीक्षा
II	छायावादोतर कवियों के कविताओं के बारे में ज्ञान प्रदान करना।	कक्षा व्याख्यान और चर्चाएँ।	1. कक्षा में चर्चा 2.प्रस्तुतीकरण 3. कक्षा परीक्षण 4.अर्धवार्षिक परीक्षा

सुझाव –

छायावादोत्तर हिंदी काव्य , डॉ दिनेश प्रसाद सिंह , मोतीलाल बनारसीदास पब्लिशर्स

छायावादोत्तर कविता ,अनिल राकेशी ,वाणी प्रकाशन

छायावादोत्तर हिंदी का कविता – प्रोफेसर सुमन जैन ,लोकभारती प्रकाशन

असाइनमेंट/सेमिनार (10 अंक)

उपस्थिति (5 अंक)

सुझाए गए समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:

1) स्वयंव

डॉ दिनेश कुमारी नेगी

सहायक आचार्य हिंदी ,हिंदी- विभाग ।

राजकीय महाविद्यालय धामी, सोलह मील शिमला ।